हिंदी दैनिक
नागपुर मेट्रो समाचार

मेट्रो सिटी

नागपुर, मंगलवार, 3 जून 2025

ट्रक चालक की बेरहमी से हत्या, दो पर केस

नागपुर. एमआईडीसी पुलिस थाना अंतर्गत ट्रांसपोर्टर सहित दो लोगों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों ने चोरी के चलते ट्रक चालक की पिटाई कर दी थी। हालांकि पहले पुलिस ने आकस्मिक मौत के तहत यह मामला दर्ज किया था। आरोपियों में ट्रांसपोर्टर राजेश शेषनाथ उपाध्याय लोकमान्य नगर निवासी और रूपेश भूरे पारडी निवासी का समावेश है। आरोपी राजेश का खरबी में ट्रांसपोर्ट का ऑफिस है, जबकि हिंगणा रोड पर बंसी नगर में गोदाम और बाहनों की पार्किंग है। करीब तीन साल से उसके यहां मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा निवासी संजय मोहने ट्रक चालक था। संजय शराब पीने का आदी था। अपना शौक पूरा करने के लिए वह चोरी करता था। उसने राजेश के ट्रक की बैटरी, जैक आदि सामान चुराया था, इसकी भनक लगते ही राजेश ने रूपेश की मदद से संजय से मारपीट की थी। जिसके बाद वह हिंगना रोड पर सड़क किनारे मृत अवस्था में मिला।

शहर में नालों की दीवारों पर बनेंगे वर्टिकल उद्यान

नागपुर.

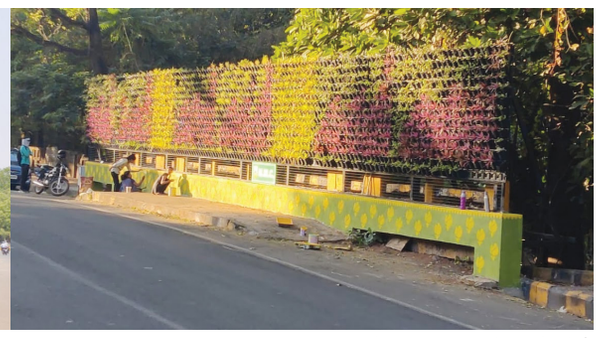

शहर में विभिन्न स्थानों पर नाग नदी, पोहरा नदी और अन्य प्रमुख नालों पर बने पुलों की सुरक्षात्मक दीवारों पर पंद्रह वर्टिकल (ऊर्ध्वाधर) उद्यान स्थापित किये जाएंगे। इससे शहर के सौन्दर्यीकरण में वृद्धि होगी । यह नाले में प्रदूषण रोकने में भी उपयोगी होगा। चूंकि नागपुर शहर में विभिन्न स्थानों से नाग नदी, पोहरा नदी और बड़े नाले बहते हैं , इसलिए मुख्य सड़क पर पुल का निर्माण किया गया है और एक पैरापेट दीवार का निर्माण किया गया है। यह देखा गया है कि नागरिक मुख्य सड़क की नाली की सुरक्षात्मक दीवार से कचरा नाली में फेंक रहे हैं। नगर निगम आयुक्त एवं प्रशासक डॉ. अभिजीत चौधरी ने निर्देश दिये हैं कि नागरिक नालियों में कचरा न फेंके तथा मुख्य सड़क के किनारे नालियों के सौंदर्यीकरण के लिए वर्टिकल गार्डन बनाए जाएं ताकि सड़क सुंदर दिखाई दे। इस कार्य की लागत 15 लाख रुपये आने का अनुमान है। वर्टिकल गार्डन में मुख्य रूप से निम्न प्रजातियों के पौधे/पौधे लगाकर विभिन्न डिजाइन तैयार किये जाएंगे रिहो प्लांट, जेड प्लांट , पांडनस प्लांट , पर्पल हार्ट प्लांट और विडेलिया प्लांट इस स्थान पर बनाए जाने वाले वर्टिकल गार्डन के सामने सुरक्षा की दृष्टि से जाली लगाई जाएगी। नगर निगम ने शहर में 15 स्थानों पर वर्टिकल गार्डन बनाने के कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है तथा शीघ्र ही निविदाएं आमंत्रित कर यह कार्य कराया जाएगा। इन निर्देशों के अनुसार शहर के विभिन्न भागों में मुख्य मार्गों पर नालियों का निरीक्षण कर 15 स्थानों की पहचान की गई है।

यहां एक उद्यान बनाया गया : अजनी चौक वर्धा रोड, सोमलवार खामला स्कूल सहकार नगर घाट के पीछे, शंकर नगर नाला शंकर नगर पोस्ट ऑफिस के बगल में, यशवंत स्टेडियम ब्रिज के पास नागानदी, नरेंद्र नगर चौक ब्रिज, चिंच भवन नाला वर्धा रोड, रेशमबाग चौक मेहंदी लॉन के पास, नागानदी ब्रिज ओल्ड फ्राइडे रोड, मानेवाड़ा रिंग रोड, रामबाग नाला बैद्यनाथ चौक, सरदार पटेल रोड, गंगाबाई घाट के पास जगनाडे चौक नाला, ओमकार लॉन दिघोरी, अशोक चौक आशिनगर नाला, जाफर नगर पलोटी स्कूल इन स्थानों पर उद्यान बनाया गया है.

ट्रक चालक संजय मोहने की मौत का खुलासा

मालिक और सहचालक ने की थी मारपीट

नागपुर. एमआईडीसी थाना अंतर्गत बंसी नगर मेट्रो स्टेशन के पास मृत पाए गए ट्रक चालक संजय गिरीजाशंकर मोहने (उम्र 36 वर्ष, निवासी मोया, बिच्छुआ, जिला छिंदवाड़ा) की मौत के रहस्य से पर्दा उठ गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से यह स्पष्ट हुआ है कि उसकी मौत उसके ही ट्रक मालिक और एक सहकारी ड्राइवर द्वारा की गई लाठी से मारपीट के कारण हुई थी। पुलिस ने इस मामले में गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मृतक संजय पिछले तीन वर्षों से आरोपी राजेश शेषनाथ उपाध्याय (48, निवासी लोकमान्य नगर) के ट्रक पर चालक के रूप में कार्यरत था। सह-आरोपी का नाम रूपेश राजकुमार भुरे (उम्र 36, निवासी घटाटे नगर, पारडी) है, जो राजेश के दूसरे ट्रक का चालक है। जानकारी के अनुसार, मृतक संजय को शराब की लत थी और कुछ दिन पहले उसने ट्रक से लोहे की चेन और कुछ अन्य सामान चुराकर कबाड़ी को बेच दिया था। जब मालिक राजेश को इसकी जानकारी मिली, तो 31 मई को दोपहर 12 बजे के आसपास दोनों आरोपियों ने संजय को कबाड़ी की दुकान पर ले जाकर चोरी की कबुली न देने पर लाठी से उसके पैरों और पीठ पर जमकर मारपीट की।

एलओसी पार करने वाली सुनीता जमगडे का चौंकाने वाला खुलासा

पाकिस्तानी धर्मगुरु ने दिया था अटारी मार्ग से जाने का सुझाव

नागपुर. नागपुर की सुनीता जमगडे के पाकिस्तान में एलओसी पार कर घुसने की घटना में अब एक नया और चौंकाने वाला मोड़ सामने आया है। जांच के दौरान यह खुलासा हुआ है कि सुनीता को एक पाकिस्तानी ईसाई धर्मगुरु ने अटारी बॉर्डर के रास्ते पाकिस्तान जाने का सुझाव दिया था। यह धर्मगुरु भारत के एक धार्मिक कार्य के लिए बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सुनीता के संपर्क में आया था। सूत्रों के मुताबिक, सुनीता ने इससे पहले दो बार अटारी बॉर्डर के माध्यम से पाकिस्तान जाने की कोशिश की थी, लेकिन दोनों बार नाकाम रही थी। बाद में 14 मई को उसने कारगिल के पास से एलओसी पार की, जहां उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में लिया और पूछताछ के बाद दो दिनों में बीएसएफ के हवाले कर दिया गया।

इस पूरी घटना के वक्त सुनीता का बेटा भी उसके साथ था, जिसे कारगिल की बाल कल्याण समिति ने अपनी कस्टडी में लिया था। अब वह कानूनी प्रक्रिया के तहत नागपुर वापस लाया गया है। तफ्तीश के दौरान सुनीता ज्यादा सहयोग नहीं कर रही है। पूछताछ में वह टालमटोल कर रही है, लेकिन प्रारंभिक जांच में यह सामने आया है कि वह पाकिस्तान में एक 'झुल्फिकार' नामक व्यक्ति से मिलने गई थी। अब जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि 'झुल्फिकार' कोई वास्तविक व्यक्ति है या फिर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियों द्वारा बनाया गया एक फर्जी सोशल मीडिया प्रोफाइल। पुलिस के अनुसार, यह मामला अब सिर्फ एलओसी पार करने तक सीमित न रहकर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मसला बनता जा रहा है। सुनीता को विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां उसे 2 जून तक पुलिस हिरासत में रखने के आदेश दिये गए थे। आज उसकी कस्टडी की अवधि पूरी हो गई, और उसे दोबारा न्यायालय में पेश किया गया जहां उसे जेल रवाना कर दिया गया है। जांच एजेंसियां अब इस बात पर फोकस कर रही हैं कि सुनीता की झुल्फिकार से पहचान कैसे हुई, उनके बीच किस प्रकार का संवाद हुआ और इस पूरी योजना के पीछे की मंशा क्या थी। इस केस की गहराई से जांच की जा रही है ताकि कोई संभावित सुरक्षा खतरा देश के लिए न बन पाए।

रेल्वे पटरी पार करते बुजुर्ग की मौत

नागपुर.

पांचपावली थाना क्षेत्र के बारसेनगर में शनिवार सुबह एक दुखद हादसा घटित हुआ। 74 वर्षीय कृष्णराव बलिराम वाघमारे, निवासी बारसे नगर, ईतवारी रेल्वे लाईन के पास पटरियाँ पार करते समय रेल्वे गाड़ी की चपेट में आ गए, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा सुबह करीब 10:44 बजे के आसपास घटित हुआ। स्थानीय नागरिकों की मदद से उन्हें तुरंत मेयो अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। इस घटना की जानकारी मिलने के बाद, मृतक के पुत्र सुनील कृष्णराव वाघमारे (उम्र 36 वर्ष) ने पाचपावली पुलिस थाने में सूचना दी। इस आधार पर सहायक पुलिस निरीक्षक सोनवने ने अकस्मात मृत्यु की रिपोर्ट दर्ज की है। फिलहाल पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

बकरीद पर महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्याक आयोग की अपील

नागपुर.

ईद-उल-अजहा (बकरीद) के अवसर पर महाराष्ट्र राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष (मंत्री स्तर) प्यारे जिया खान ने समस्त मुस्लिम समुदाय से प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न करने तथा महाराष्ट्र गौहत्या निषेध अधिनियम का पूर्णतया पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कुर्बानी केवल उन्हीं पशुओं की दी जानी चाहिए, जिनकी अनुमति वैध हो। ज्ञात हो कि बकरीद के निकट राज्य के कई शहरों से विवाद की खबरें आ रही हैं। मुंबई, पुणे, नागपुर समेत कई शहरों में गौ-तस्करी, प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी तथा आवासीय सोसायटियों में कुर्बानी को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। इससे अन्य धर्मों के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होने की आशंका है। राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया है। आयोग के अध्यक्ष प्यारे जिया खान ने कहा कि बकरीद के अवसर पर राज्य के कई शहरों से विवाद की खबरें आ रही हैं। मुंबई, पुणे, नागपुर समेत कई शहरों में गौ-तस्करी, प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी तथा आवासीय सोसायटियों में कुर्बानी को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। इससे अन्य धर्मों के लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत होने की आशंका है। राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने इस स्थिति को गंभीरता से लिया है। अध्यक्ष (मंत्री स्तर) प्यारे खान ने स्पष्ट रूप से कहा कि, "मुस्लिम समुदाय को इस्लामी दंडों का पालन करते हुए हजरत इब्राहीम अ.स. की भावनाओं को समझना चाहिए और ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे किसी को ठेस पहुंचे। खान ने कहा कि हमारी कुर्बानी से किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। यही इस्लाम की असली तालीम है।" खान ने आगे कहा कि, "हम जिस देश में रहते हैं, वहां के कानून का पालन करना हमारी जिम्मेदारी है। महाराष्ट्र में गाय की कुर्बानी प्रतिबंधित है और यह अपराध भी है, इसलिए समाज को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि केवल वैध जानवरों की ही कुर्बानी की जाए।"

उन्होंने प्रशासन से यह भी अपील की कि बकरीद के दौरान कुर्बानी पूरी तरह से वैध हो और इससे किसी की धार्मिक भावनाओं या सामाजिक सद्भाव को ठेस न पहुंचे। अगर किसी स्थान पर आपत्ति है, तो वहां कुर्बानी करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। राज्य अल्पसंख्यक आयोग ने भी प्रशासन को इस संबंध में उचित दिशा-निर्देश जारी करने और कानून लागू करने का निर्देश दिया है ताकि त्योहार के दौरान शांति और भाईचारे का माहौल बना रहे।

प्रतिबंधित जानवरो की कुर्बानी से बचे मुस्लिम समाज - प्यारे खान

कुख्यात गुंडे सागर उर्फ बब्बा पर लगा एमपीडीए

नागपुर. शहर पुलिस ने एक बार फिर संगठित अपराध पर सख्त कार्रवाई करते हुए कुख्यात अपराधी सागर उर्फ बब्बा ओमप्रकाश यादव (19 वर्ष) डिप्टी सिग्नल, दुर्गा माता मंदिर के पास, नंदी चौक, कलमना निवासी पर एमपीडीए के तहत कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त नागपुर शहर द्वारा 1 जून 2025 को जारी आदेशानुसार, सागर पर लगातार गंभीर अपराधों में लिप्त रहने के चलते यह कठोर कदम उठाया गया। बब्बा के खिलाफ हत्या, हत्या का प्रयास, गैरकानूनी जमावड़ा, जानलेवा हमला, शांति भंग करने के उद्देश्य से अपमान करना, अश्लील गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी, घातक हथियार रखना और प्रतिबंध आदेशों का उल्लंघन करने जैसे गंभीर मामले दर्ज हैं। हालांकि उसके खिलाफ पहले भी बीएनएसएस की धारा 129(ई)(ग) के अंतर्गत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की गई थी, परंतु उसका आपराधिक प्रवृत्ति पर कोई असर नहीं पड़ा।

स्व. लक्ष्मणराव मानकर मेमोरियल सोसायटी की नई कार्यकारिणी घोषित

पूरे महाराष्ट्र में 5000 एक शिक्षक विद्यालय शुरू किए जाएंगे

नागपुर.

1997 से विदर्भ में शुरू हुई स्वर्गीय लक्ष्मणराव मानकर मेमोरियल सोसायटी वर्तमान में पूरे विदर्भ में 1035 एक शिक्षक विद्यालय संचालित कर रही है। इन विद्यालयों में 35 हजार से अधिक विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। संस्था के मुख्य संरक्षक केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के मार्गदर्शन में अब पूरे महाराष्ट्र में पांच हजार एक शिक्षक विद्यालय शुरू करने का निर्णय लिया गया है। गडकरी की उपस्थिति में रविवार 01 जून 2025 को स्वर्गीय लक्ष्मणराव मानकर मेमोरियल सोसायटी की कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक में संस्था के कार्यों की समीक्षा की गई। शैक्षणिक कार्यों के अलावा संस्था के शिक्षकों और पर्यवेक्षकों के माध्यम से सुदूर गांवों में सामाजिक और आध्यात्मिक कार्यों की प्रगति रिपोर्ट भी प्रस्तुत की गई। लक्ष्मणराव मानकर स्मृति संस्था ने बिना किसी सरकारी अनुदान के क्रियान्वित की जा रही 'शिक्षा से संस्कार' की संकल्पना ने गांव में शिक्षा के स्तर को बढ़ाया है। यह देखा जा रहा है कि गांव के नागरिकों की भागीदारी से गांव का भी विकास हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए महाराष्ट्र सरकार के साथ-साथ कई निजी संगठनों और शैक्षणिक संस्थानों ने भी संस्था को उचित मान्यता दी है।

संस्था के इस शानदार काम के कारण महाराष्ट्र के कई हिस्सों से संस्था के काम को स्वीकार किया गया है। चूंकि विदर्भ के बाहर भी काम शुरू करने की मांग है, इसलिए संस्था ने पूरे महाराष्ट्र में 5000 स्कूल (कक्षा 1 से 4 तक) शुरू करने का प्राथमिक लक्ष्य रखा है।

चूंकि संस्था के मौजूदा कार्यकारी मंडलों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, इसलिए नियमानुसार नए कार्यकारी मंडल की नियुक्ति की घोषणा करना आवश्यक था। पूरी प्रक्रिया के बाद नितिन गडकरी ने हमारे नए कार्यकारी मंडल की घोषणा की। उन्होंने नवनियुक्त मंडल का स्वागत और बधाई दी और उन्हें शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि संस्था शैक्षणिक विकास के साथ-साथ स्वरोजगार, स्व-कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा, गरीब एवं जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए आवासीय छात्रावास पर ध्यान केंद्रित कर ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा के क्षेत्र में एक मजबूत विश्वविद्यालय के रूप में ख्याति प्राप्त करे।

मार्गदर्शक मंडल : नितिन गड़करी, देवेन्द्र फड़नवीस, चन्द्रशेखर बावनकुले, हंसराजअहीर, सुधीर मुनगंटीवार, केशवराव मानकर, मितेशजी भांगड़िया.
नई कार्यकारी समिति : अतुल शिरोडकर अध्यक्ष, राजीव हडप उपाध्यक्ष, मुरलीधर चांदेकर उपाध्यक्ष, प्रशांत बोपार्डिकर सचिव, मिलिंद कनाडे कोषाध्यक्ष।
सदस्यगन : डॉ. उपेन्द्र कोठेकर, बंटी भांगड़िया, सुधीर दिवे, डॉ. राजीव पोद्दार, संजय फांजे, पधारें, संजय पुरम, राजकुमार बडोले, अशोक नेता, वीरेन्द्र अंजनकर, अविनाश घुशे, रेखाताई मावस्कर, मायाताई इवानते, अनिल जोशी, भूपेन्द्र शहाणे, अतुल देशकर, **सलाहकार:** संदीप शास्त्री, निरंजन देशकर, अतुल मोहरिर एवं रूपेश ढेपे.

महाराष्ट्र में मानसून की रफ्तार धीमी

> 10 जून तक थम सकती है बारिश

नागपुर.

बदलते मौसम के कारण मानसून की गति धीमी पड़ने लगी है। अनुमान है कि 10 जून तक महाराष्ट्र में बारिश बंद हो जाएगी। केवल पश्चिमी तट और राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश की उम्मीद है। यह पूर्वानुमान है कि इस बदली हुई जलवायु के कारण राज्य में अधिकतम तापमान में वृद्धि होगी। वहीं दूसरी ओर मौसम विभाग ने जुलाई में जोरदार बारिश का पूर्वानुमान जताया है। इस वर्ष जून से सितंबर तक मानसून की बारिश होने की भविष्यवाणी है।

महाराष्ट्र में औसत से 106 प्रतिशत वर्षा होगी। यह पूर्वानुमान अधिकतम तापमान, सुबह और दोपहर की सापेक्षिक आर्द्रता, प्रति घंटे हवा की गति और सूर्य के प्रकाश की अवधि पर आधारित है। हवा की कम गति और सूर्य की रोशनी की अवधि कम होने के कारण जून और जुलाई के महीनों में धुले, राहुरी, परभणी, निफाड़, अकोला, पडेगांव, कोल्हापुर में लंबे समय तक बारिश होने की संभावना है, जबकि दापोली, नागपुर, सोलापुर, जलगांव, धुले, पुणे और कराड में बारिश की अवधि कम रहने की संभावना है। इसके अलावा जुलाई माह में भी अधिक वर्षा होगी। मौसम की विशेषता यह होगी कि थोड़े समय में अधिक वर्षा होगी।

बारिश की आशंका के चलते देवेंद्र फडणवीस सरकार तैयार है। सरकार ने किसानों के साथ मिलकर मानसून की पृष्ठभूमि में इसकी तैयारी की है। मुख्यमंत्री ने खरीफ सीजन के लिए समीक्षा बैठक की। इस साल अधिक बारिश होने की संभावना को देखते हुए फडणवीस सरकार ने सभी विभागों को तैयार रहने का आदेश दिया है।

फडणवीस ने सभी अधिकारियों को भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में हर समय तैयार रहने का निर्देश दिया। बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए सभी विभागों को अलर्ट रहने के निर्देश दिये गए हैं।

पुलिस और शांति समिति की बैठक संपन्न

सौहार्दपूर्ण त्योहारों के लिए लिया संयम और एकता का संकल्प

नागपुर.

नागपुर शहर पुलिस और शांति समिति के सदस्य एक बार फिर एकजुट हुए, ताकि आगामी त्योहारों के दौरान शहर में शांति, सौहार्द और कानून-व्यवस्था बनी रहे। इस उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण "संयमशील संवादपूर्ण शांति बैठक" का आयोजन पुलिस मुख्यालय के अलंकार हॉल में किया गया। यह बैठक शाम 5:00 बजे से 6:30 बजे तक आयोजित हुई, जिसमें सभी थाना प्रभारी, विभिन्न धर्मों के प्रतिष्ठित नागरिक, मोहल्ला समिति व शांति समिति के सदस्य, महिला प्रतिनिधि और वरिष्ठ पुलिस अधिकारी शामिल हुए। आगामी बकरी ईद, शिवराज्याभिषेक, संभाजी महाराज जयंती, गुरु गोविंद सिंह जयंती जैसे महत्वपूर्ण पर्वों को शांतिपूर्वक और सौहार्द से मनाने का संदेश इस बैठक का प्रमुख उद्देश्य रहा। बैठक में सर्वप्रथम समिति सदस्यों की समस्याएं और सुझाव सुने गए। गोवंश संरक्षण, कुर्बानी के बाद का वेस्ट मैनेजमेंट, सोशल मीडिया पर अफवाहों का प्रसार, स्वास्थ्य सुरक्षा, धर्मों के प्रति आपसी सम्मान, डायल 112 सेवा का उपयोग, और महानगरपालिका की जिम्मेदारी जैसे विषयों पर गहन चर्चा हुई।

पुलिस आयुक्त डॉ. रवींद्र कुमार सिंगल ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि "समाज में शांति और एकता बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। पुलिस और नागरिकों के बीच संवाद होना बेहद जरूरी है। समाजकंटकों के खिलाफ हम लगातार कार्रवाई कर रहे हैं। मकोका, एमपीडीए और तड़ीपारी जैसे कड़े कानूनों का उपयोग किया जा रहा है। लेकिन, जब तक समाज खुद आगे आकर अपराध की जानकारी नहीं देगा, तब तक पूर्ण रूप से रोकथाम संभव नहीं।" उन्होंने समिति से अपील की कि सोशल मीडिया पर सोच-समझकर पोस्ट शेयर करें, क्योंकि 'फॉरवर्ड' करने का मतलब है भागीदारी। उन्होंने सायबर अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की अत्याधुनिक साइबर लैब का भी उल्लेख किया और बताया कि इंस्टाग्राम, व्हाट्सअप्प जैसी माध्यमों पर निगरानी रखी जा रही है। बैठक में अपर पुलिस आयुक्त वसंत परदेशी ने कहा कि "हर वर्ष सुझावों की पुनरावृत्ति न करते हुए अब कार्यवाही की जरूरत है। समाज को उदाहरण बनकर दिशा दिखानी होगी।" दाभाडे ने अफवाहों से सतर्क रहने और सोशल मीडिया के सदुपयोग पर जोर दिया। सह पुलिस आयुक्त नवीन चंद्र रेड्डी ने कहा कि "अब वक्त है सुझावों को ज़मीनी स्तर तक पहुंचाने का। कानून सभी पर समान रूप से लागू होता है, उसे कोई चुनौती नहीं दे सकता।" बैठक में 150 से अधिक शांति समिति सदस्य, वरिष्ठ अधिकारी डीसीपी लोहित मतानी, निकेतन कदम, राहुल मदने, महक स्वामी, रश्मिता राव सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। बैठक के आयोजन में डीसीपी शशिकांत सातव, निरीक्षक विनोद तिवारी और टीम ने विशेष मेहनत की। कार्यक्रम का संचालन सहायक पुलिस आयुक्त नरेंद्र हिवरे ने कुशलता से किया।

महावितरण का 'शून्य दुर्घटना' संकल्प

> विद्युत सुरक्षा के प्रति जनजागृति को नागरिकों का उत्साहजनक प्रतिसाद

नागपुर.

महाराष्ट्र को विद्युत दुर्घटनाओं से मुक्त करने के उद्देश्य से महावितरण ने अपने 20वें स्थापना दिवस (6 जून) को 'शून्य दुर्घटना महाराष्ट्र' थीम के साथ विद्युत सुरक्षा सप्ताह के रूप में मनाने की शुरुआत की है। नागपुर समेत राज्य भर में जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। खासतौर पर बच्चों और नागरिकों को बिजली के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी जा रही है, ताकि दुर्घटनाओं की संख्या को कम किया जा सके। महावितरण ने स्थापना दिवस और विद्युत सुरक्षा सप्ताह के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों को एसएमएस और उपभोक्ताओं को ईमेल के जरिए सुरक्षा जानकारी भेजनी शुरू कर दी है। सप्ताह की शुरुआत 'रन फॉर सेफ्टी' मैराथन से हुई। वाड़ी क्षेत्र में जनजागरूकता कार्यक्रम में 48 नागरिकों ने भाग लिया। वहीं, हिंगना और गांधीबाग में विद्युत सुरक्षा पर लघु फिल्में भी प्रदर्शित की गईं। इसके अतिरिक्त, त्रिमूर्ति नगर का राजीव गांधी उद्यान, मदन रतन सिटी, जानकी नगर, खापा बस स्थानक, विद्युत बिल भुगतान केंद्र, एलएडी कॉलेज, ब्राह्मणी ग्राम पंचायत, खापा नगर परिषद, नवीन मंगलवारी का समर कैंप (जहां 50 छात्रों ने भाग लिया), बिनाकी (जहां 100 छात्र शामिल हुए) जैसे स्थानों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए। नरखेड़, गोरेवाड़ा, अनंतनगर, जाफरनगर, काटोल रोड, मंगलवारी बाजार, आईटीआई काटोल, कुही, भिवापुर, कोंढाली, उमरेड, कामठी उपविभाग सहित जिले के विभिन्न स्थानों पर विद्युत सुरक्षा के संदेश प्रसारित किये जा रहे हैं।

नागपुर के साथ-साथ वर्धा जिले में भी महावितरण द्वारा विद्युत सुरक्षा को लेकर बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। ऑक्सिजन पार्क, हिंगणघाट और सेलू बस स्थानक, हिंगणघाट तहसील कार्यालय, पिपरी ग्राम पंचायत, नालवाड़ी आधार केंद्र, पिपरी मेघे की लाइब्रेरी, जेईई क्लासेस कारंजा, हिंगणघाट कृषि बाजार समिति, देवली बस स्थानक, आईटीआई पुलगांव और आष्टी, श्री संत भोजाजी महाराज देवस्थान आजनसरा, पोहणा वीज वितरण केंद्र, खरांगणा मंडल अधिकारी कार्यालय आदि स्थानों पर भी जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये गए, जिसमें नागरिकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई। इस अभियान के संदर्भ में नागपुर परिमंडल के मुख्य अभियंता दिलीप दोडके ने सभी विद्युत उपभोक्ताओं से अपील की कि विद्युत सुरक्षा एक सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने आग्रह किया कि सभी लोग अपनी दिनचर्या में विद्युत सुरक्षा को प्राथमिकता दें।

ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर में बच्चों के व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन

कामठी.

कामठी ब्रह्माकुमारीज़ सेंटर द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु तीन दिवसीय मूल्य आधारित व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य बच्चों के भीतर नैतिक मूल्यों, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का विकास करना था।

शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ, जिसमें राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी, वात्सल्य स्कूल की डायरेक्टर स्वाती पंकज साबळे, प्रणाली आमधरे, नम्रता मैम, अनिता मैम तथा ज़ुम्बा अकादमी की रुचि प्रमुख रूप से उपस्थित रहीं।

विकास के पहलुओं से परिचित कराया गया। ध्यान, योग, समूह चर्चा, नैतिक कहानिया, रचनात्मक कार्यशालाए और खेलों के माध्यम से बच्चों को जीवन मूल्यों की शिक्षा दी गई।

शिविर का समापन एक सुंदर समारोह के साथ हुआ, जिसमें राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी द्वारा बच्चो को जीवन में श्रेष्ठ बनने के लिये नैतिक मूल्यो के इस शिविर में बच्चों को सत्य, अहिंसा, सहयोग, अनुशासन,आत्म-निर्भरता जैसे जीवन मूल्यों से परिचित कराया गया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इन मूल्यों को कहानियो के रूप में समझाया गया। बच्चो के माता-पिता की भुमिका को महत्वपूर्ण कहते हुए श्रेष्ठ आचरण को धारण करने की बात कही।

प्रतिभा निखारता शिविर, बच्चों में बढ़ा आत्मविश्वास

अतिथी के रूप मे नवकार पब्लिक स्कूल की प्राचार्या मधु लोढ़ा ने बच्चों को उनकी प्रतिभा के लिए सराहा और कहा कि ऐसे शिविर बच्चों में आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को बढ़ावा देते हैं। नूतन सरस्वती स्कूल की प्राचार्या श्वेता रडके ने कहा, ऐसे शिविर बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। प्रणाली आमधरे ने बच्चो को अनुशासित कर सुचारू रूप से चलाया। नम्रता मैम ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। बीके शीलू दीदी ने बच्चो को मेडिटेशन की अलग अलग विधी द्वारा एकाग्रता बढाई। बीके वंदना दीदी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना की। झुंबा डान्स अकॅडमी की रुची मॅम ने बच्चो को उत्साहित कर फिजिकल फिटनेस को मेन्टेन करने की ट्रिक्स सिखाई।

कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चो ने भाग किया। कुछ ने अपने अनुभव भी साजा किए। बच्चो के साथ उनके अभिभावको के लिये भी साथ में कार्यक्रम आयोजित कर संबोधित किया गया। बच्चो के अभिभावको ने इस कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज के युग में ऐसे शिविर बच्चों को संस्कारवान, जिम्मेदार और सकारात्मक नागरिक बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम हैं।

न्यायाधीश वी. एस. वाघ मानवता के प्रतीक

> दीवानी न्यायालय में विदाई समारोह संपन्न

कारंजा (घा).

कारंजा (घा) के दीवानी न्यायालय में तीन वर्षों तक न्यायिक सेवा देने वाले न्यायाधीश विकास एस. वाघ का स्थानांतरण पलटण स्थित न्यायालय में हो गया है। इस अवसर पर कारंजा अधिवक्ता संघ और कारंजा न्यायालय प्रशासन की संयुक्त ओर से न्यायाधीश वाघ को विदाई देने के लिए भावपूर्ण समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ॲड. प्रकाश धारपुरे, ॲड. जे. डी. टोपले, ॲड. अशोक पराडकर,ॲड. सावलकर (सरकारी अभियोक्ता), ॲड. के. जे. टोपले और अन्य अधिवक्ताओं एवं न्यायालयीन कर्मियों ने न्यायाधीश वाघ के कार्यकाल की सराहना की। न्यायाधीश व्ही. एस. वाघ को उनके कार्यकाल में न्यायप्रियता, निष्पक्षता और मानवीय व्यवहार के लिए याद किया गया। उन्होंने न केवल अधिवक्ताओं, बल्कि कर्मचारियों और अधिकारियों के साथ भी समान सम्मान और गरिमा से व्यवहार कर सभी का दिल जीता। सभी ने उन्हें वरिष्ठ न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति प्राप्त करने की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम में अधिवक्ता संघ के ॲड. रुपेश मस्के, ॲड. डी. एम. धांदे, ॲड. स्वप्नील कडवे, ॲड. दादाराव दुपारे, ॲड. दीपक टहेटवार, ॲड. सुमित बागडे, ॲड. मनु उकंडे, ॲड. पीयूष मोटवाणी, ॲड. सूरज सातपुते, वरिष्ठ अधीक्षक झहीर (आर्वी), कारंजा न्यायालय के सहायक अधीक्षक गजभिये, लिपिक देशमुख, स्नेहल बागडे, ठाकरे, बोबडे, रामटेके, इंदूरकर, पोतदार, गजरे सहित अन्य कर्मचारी गण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन स्नेहल बागडे मैडम ने किया और आभार प्रदर्शन लिपिक देशमुख ने किया

एजुटेक ने किया मेधावी छात्रों का सत्कार

कन्हान.

एजुटेक कोचिंग क्लासेज कन्हान द्वारा मेधावी छात्रो का सत्कार समारोह रविवार 01 जून को किया गया। समारोह में मेधावी छात्र वैष्णवी सिंग (92%) 12 साइंस, विधी मेश्राम (80%) 12th (सीबीएसई), रामटेक विधानसभा से प्रथम क्रमांक पुजा यादव (96.20%), अभिषेक यादव (91.40), अमृत कुमार गुप्ता (90.60%), राजेश्वरी कोडूरी (90.60), सृष्टि यादव (90%) साथ ही, सचिन कैथल, आशिष चौधरी - अथांग माटे, अतुल ठाकुर, मोना चिखले, मोनिका दोडके, कृतिका गोडे, मोना चिखले इन सभी छात्राओं का सत्कार किया गया है। सत्कार समारोह में गणेश मारोत पानतावणे, यशवंत भोरगे, संतोष सिंग, दुर्गेश घोडमारे, इकबाल शेख, गजराज देविया, कुबेर खोब्रागडे, अमरेंद्र सिंग, सुरज सिंह आदि ने सत्कार किया है। एजुकेट कोचिंग क्लासेज की कड़ी मेहनत के कारण सभी बच्चे शत प्रतिशत से सफल हुए है।

कबीर जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई

सावनेर. बीते रविवार यानी 1 जून को सद्गुरु कबीर साहेब जयंती के अवसर पर सावनेर शहर में भव्य शांति संदेश यात्रा का आयोजन किया गया. इसमें सावनेर और तालुका के कुछ गांवों के कबीरपंथी भाइयों ने भाग लिया। शांति संदेश यात्रा का आयोजन सद्गुरु कबीर धर्मदास साहेब वंशानुयायी प्रचार संस्थान गुजरखेड़ी द्वारा नियुक्त सावनेर उपसमिति द्वारा किया गया था। सावनेर उपसमिति की कार्यकारिणी में सुभाष महाजन, सतीश धामड़े, प्रमोद भुरके, शांतनु भजन, निखिल भुरके, सतीश सुके, संजय मालापुरे, किशोर धापक, मनीषा आढ़े के साथ-साथ साजन महंत, सुनील भुरके, विनोद महाजन आदि का सहयोग रहा।

अवैध रेत परिवहन में दो 16-पहिया ट्रक जब्त

1 करोड़ 11 लाख 10 हजार का सामान जब्त, 2 मामले दर्ज

कन्हान.

नागपुर ग्रामीण जिले के पुलिस अधीक्षक हर्ष ए. पोद्दार की अवैध धंधों पर कड़ी नज़र है। उन्होंने अवैध धंधों पर कार्रवाई के लिए एक विशेष दल का गठन किया और कार्रवाई के आदेश दिए. गुप्त सूचना के आधार पर, इस विशेष दल ने कन्हान पुलिस थाना क्षेत्र में नाकाबंदी कर अवैध रूप से रेत का परिवहन कर रहे दो ट्रकों को पकड़ा. दो वाहनों और 22 ब्रास रेत सहित कुल ₹,11,10,000 का माल जब्त किया गया है। वाहन चालकों और मालिकों के खिलाफ कन्हान पुलिस थाने में मामला दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

शनिवार (31 मई 2025) को विशेष दल को गुप्त और विश्वसनीय जानकारी मिली थी कि मनसर से कन्हान होते हुए अवैध और बिना लाइसेंस वाली रेत का चोरी-छिपे परिवहन किया जा रहा है। इस जानकारी के आधार पर, दल ने कन्हान पुलिस थाना क्षेत्र में नागपुर बाईपास महामार्ग पर कुंभलकर ढाबे, कन्हान के पास नाकाबंदी की। इस दौरान एक संदिग्ध 16-पहिया ट्रक क्रमांक एमएच 34 बीज़ेड 2004 को रोका गया और जांच करने पर उसमें रेत मिली। वाहन चालक से नाम पूछने पर उसने अपना नाम अक्षय सुरेश पाटिल, उम्र 33 वर्ष, निवासी कोराडी, जिला नागपुर बताया।

उससे रेत परिवहन परमिट के बारे में पूछने पर उसने बताया कि उसके पास परमिट नहीं है। पुलिस को वाहन मालिक अमर लांजेवार, निवासी मनकापुर, नागपुर के बारे में जानकारी मिलते ही, पंचों के सामने ट्रक में 12 ब्रास रेत जिसकी कीमत 60,000 और 16-पहिया ट्रक जिसकी कीमत 55,00,000 है, कुल 55,60,000 का माल जब्त किया गया।

दूसरी कार्रवाई में, नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध 12-पहिया ट्रक क्रमांक एमएच 40 बीएफ 9087 को रोका गया और वाहन की जांच करने पर उसमें रेत पाई गई। वाहन चालक से नाम पूछने पर उसने अपना नाम रविंद्र रामा भलावी, उम्र 35 वर्ष, निवासी रेटी, खवासा, ता. कुरई, जिला सिवनी बताया। परमिट के बारे में पूछने पर उसने बताया कि उसके पास परमिट नहीं है। वाहन मालिक रोशन मणिराम कोडवते, निवासी वडंबी, देवलापार के बारे में जानकारी प्राप्त होने पर, पुलिस ने पंचों के सामने ट्रक में 10 ब्रास रेत जिसकी कीमत 50,000 और ट्रक जिसकी कीमत 55,00,000 है, कुल 55,50,000 का माल जब्त किया।

कन्हान पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इस कार्रवाई में दो वाहनों के साथ कुल 22 ब्रास रेत, जिसकी कुल कीमत 1,11,10,000 है, जब्त की गई। वाहन चालक और मालिकों के खिलाफ कन्हान पुलिस थाने में धारा 303(2), 49, 3(5) भा.न्या. सं. सह-धारा 48(7), 48(8) म.ज.म. संहिता सह-धारा 4.21 खान खनिज अधिनियम के तहत दो मामले दर्ज किए गए हैं और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच कन्हान पुलिस निरीक्षक राजेंद्र पाटिल के मार्गदर्शन में कन्हान पुलिस कर रही है। यह कार्रवाई नागपुर ग्रामीण जिले के पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार, स्थानीय अपराध शाखा पुलिस निरीक्षक ओमप्रकाश कोकाटे के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस निरीक्षक किशोर शेरकी, परमेश्वर मुरकुटे, धीरज गभणे, प्रवीण ठवकर, श्याम सिनकर, भागवत गुट्टे और अन्य पुलिस कर्मियों द्वारा सफलतापूर्वक संपन्न की गई।

उमरेड स्केटर्स ने लिया प्लास्टिक मुक्ति व पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

गोदरेज फीडबैक फाउंडेशन और स्केटिंग एकेडमी की अनूठी पहल

उमरेड.

पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त समाज की दिशा में उमरेड ने एक प्रेरणादायी कदम उठाया। उमरेड स्केटिंग एकेडमी, नगर परिषद उमरेड तथा टीम गोदरेज फीडबैक फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में स्केटर्स और उनके पालकों के लिए जनजागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्लास्टिक के दुष्परिणामों से अवगत कराना और पर्यावरण संवर्धन के लिए समाज को जागरूक बनाना था।

कार्यक्रम में उमरेड नगर परिषद के स्वच्छता ब्रँड एम्बेसडर व स्केटिंग एकेडमी के हेड कोच, अंतरराष्ट्रीय स्केटर रवींद्र मिसाल ने स्केटर्स और उनके पालकों को प्लास्टिक मुक्ति एवं पर्यावरण रक्षण की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में प्लास्टिक के अत्यधिक उपयोग से हो रहे पर्यावरणीय नुकसान और इसके विकल्पों के बारे में विस्तार से बताया।

स्केटर्स व पालकों को प्लास्टिक के खिलाफ जागरूक किया गया। पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर संवाद और शपथ ग्रहण समारोह हुआ। नगर परिषद और गोदरेज फीडबैक फाउंडेशन की सहभागिता रही महत्वपूर्ण। कार्यक्रम में बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पहल से उमरेड में पर्यावरण संरक्षण के प्रति नई चेतना और जिम्मेदारी की भावना उत्पन्न हुई है। आयोजकों ने भविष्य में भी ऐसे जनजागरूकता अभियानों को लगातार जारी रखने का संकल्प लिया।

सिटी केबल कार्यालय में संक्षिप्त संविधान का वितरण

कामठी.

एकता फाउंडेशन सामाजिक संगठन के अध्यक्ष डॉ.जय संजय रामटेके द्वारा नि:शुल्क संकलित संक्षिप्त संविधान की किताब का वितरण नगर परिषद के पूर्व उपाध्यक्ष व बहुजन रिपब्लिकन एकता मंच के विदर्भ महासचिव अजय कदम के प्रमुख उपस्थिति में किया गया। इस मौके पर सिटी केबल कार्यालय के अमित मेश्राम, अनिस कुरैशी, सुमित फटिंग, स्वरा सोनटक्के, आराधना परसे, शोभा लतीया एवं अन्य कर्मचारीगण प्रमुखता से मौजुद रहें।

प्रबुद्धनगर नया गोदाम में 'चारीका' (भिक्षाटन) किया गया

कामठी.

बीते 1 जून, रविवार को एक अविस्मरणीय और अद्भुत घटना घटी. 2500 वर्ष पहले सम्यक संबुद्ध तथागत भगवान बुद्ध के समय में, वर्षा ऋतु की शुरुआत से पहले, उस समय के सभी भिक्षुगण हर गाव और नगर में जाकर जीवनोपयोगी वस्तुओं का दान इकट्ठा करते थे और एक जगह जमा करके उन चार महीनों में भोजन करते थे और इसी महीने में वे सभी भिक्षुगण बुद्ध का धम्म उपासक-उपासिकाओं को बताते थे। यह उसी समय से लेकर अब तक, जैसा का तैसा, बुद्ध का धम्म आज भी बताया जा रहा है। इसी के अनुरूप आज भी वर्षा ऋतु की शुरुआत से पहले प्रबुद्ध नगर नया गोदाम में असंख्य श्रामणेरों (छोटे भिक्षुओं) का आगमन हुआ। उन सभी श्रामणेरों ने आम्रपाली बुद्ध विहार से 'चारीका' की शुरुआत की, उसके बाद प्रबुद्ध बुद्ध विहार और अंत में आनंद बुद्ध विहार में यह संपन्न हुआ। इस 'चारीका' को स्थानीय नया गोदाम के सभी उपासक/उपासिकाओं ने सहज उत्साह से प्रतिसाद दिया। नया गोदाम की निवासी, चहांदे परिवार की वत्सला नागोराव चहांदे नामक माताजी ने आए हुए प्रत्येक श्रामणेर को पैसे के रूप में दान दिया और उन्हें वंदन किया। साथ ही सुरेश चहांदे, प्रशांत चहांदे, माधवी चहांदे, नंदिनी चहांदे इन सभी ने श्रामणेर संघ को वंदन किय। इसी तरह नागरिक प्रतिमा बेदले, कांचन सवयतुल भारती, सुक्या सनी सुरीवंशी, नलू मानवटकर, शुभांगी कांबळे, राणी बोमले, संगीता मेश्राम, करुणा भाटकर, प्रणाली मेश्राम और समस्त नगर के उपासक-उपासिकाओं ने अपनी-अपनी क्षमतानुसार दान दिया और वंदन किया। इस 'चारीका' के माध्यम से भंते और श्रामणेरों ने बुद्ध के धम्म के बारे में विस्तृत जानकारी दी और सभी को समझाया कि कैसे अपना जीवन मध्यम मार्ग से सुखी हो सकता है। इसी धम्म वाणी के कारण पूरे क्षेत्र का वातावरण धम्ममय हो गया। इसके बाद सभी श्रामणेर संघ अपने आश्रम की ओर प्रस्थान कर गए।

कोराड़ी मंडल की ओर से भीलगांव में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित

कामठी.

भारतीय जनता पार्टी कोराडी मंडल की ओर से भिलगांव में भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। भाजपा कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरुआत नागपुर जिला भाजपा अध्यक्ष आनंदराव राऊत ने दीप प्रज्वलित कर और भारत माता की प्रतिमा पर पुष्पमाला अर्पित कर की। इस अवसर पर नागपुर जिला भाजपा महामंत्री अनिल निधान, कामठी विधानसभा चुनाव प्रमुख अजय बोढारे, नागपुर जिला महामंत्री रिंकेश चौरे, जिला परिषद पूर्व सदस्य मोहन माकडे, पंचायत समिति पूर्व सभापति उमेश रडके, कोराडी मंडल अध्यक्ष ब्रह्मा काले, प्रीतम लोहारसांगवा, येरखेड़ा पूर्व सरपंच मनीष कारेमोरे, कोराडी सरपंच नरेंद्र धानोले, रनाळा सरपंच पंकज विमल नागोराव साबळे, खसाळा धनंजय इंगोले, आशीष वंजारी, लतेश्वरी काले, शीतल चौधरी, ईश्वरसिंग चौधरी, राजेंद्र चौरे, सुनील मोहोळ, प्रा. पराग सपाटे, स्वप्निल फुकटे आदि प्रमुखता से उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान, नवनियुक्त नागपुर जिला भाजपा अध्यक्ष आनंदराव राऊत का कोराडी मंडल पदाधिकारियों की ओर से शॉल, श्रीफल और पुष्पगुच्छ भेंट कर सत्कार किया गया। कार्यकर्ता सम्मेलन में प्रमुख अतिथियों ने भाजपा कार्यकर्ताओं से अपने आपसी मतभेद भुलाकर केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को समाज के अंतिम नागरिक तक पहुंचाकर पार्टी संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का प्रास्ताविक प्रीतम लोहारसांगवा ने किया, संचालन भाजपा ज़िला उपाध्यक्ष लतेश्वरी काले ने और आभार प्रदर्शन मनीष कारेमोरे ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नगर पंचायत कोंढाली को कचरा गाडी की मांग

नागरिक सुविधाओं का इंतजार

कोंढाली.

कोंढाली नगर पंचायत के गठन को 22 महीने हो चुके हैं, लेकिन बुनियादी सुविधाओं की कमी अब भी बनी हुई है। नगर पंचायत के गठन के बाद से नागरिकों ने कई बार प्रशासन से आवश्यक सुविधाओं की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं।कचरा प्रबंधन की समस्या: नगर पंचायत में कचरा उठाने के लिए पर्याप्त वाहन नहीं हैं। नागरिकों ने प्रशासन से कचरा उठाने के लिए छह घंटा गाड़ी, तीन ट्रैक्टर, दो टैंकर, एक आधुनिक फायर ब्रिगेड, एक एम्बुलेंस, पुस्तकालय, स्वच्छता गृह, खेल का मैदान, वरिष्ठ नागरिकों के लिए मनोरंजन केंद्र, उद्यान, डंपिंग यार्ड, पेयजल प्रबंधन, बिजली आपूर्ति प्रबंधन, सांस्कृतिक भवन, नगर पंचायत विद्यालय, श्मशान घाट, मृत पशुओं के दफन के स्थान और अन्य आवश्यक सुविधाओं की मांग की है।

नगर पंचायत भवन की कमी: वर्तमान में नगर पंचायत के पास अपना प्रशासनिक भवन नहीं है। पुराने ग्राम पंचायत भवन से ही कार्य चल रहा है, लेकिन सभी विभागों को समायोजित करने की कोई व्यवस्था नहीं है। नगर पंचायत भवन के लिए शासन की शासकीय योजना के तहत जगह उपलब्ध है।

विकास निधि की कमी: नगर पंचायत के गठन के सात माह बाद भी आवश्यक विकास निधि नहीं मिली है। नगर पंचायत प्रशासक धनंजय बोरिकर ने प्रशासन से निधि की मांग की है, लेकिन अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

नागरिकों ने नगर पंचायत प्रशासक के माध्यम से नगर विकास विभाग से बुनियादी सुविधाओं के लिए आवश्यक धनराशि जारी करने की मांग की है। जनप्रतिनिधियों ने भी प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की अपील की है। कोंढाली नगर पंचायत के गठन के बावजूद बुनियादी सुविधाओं की कमी नागरिकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। प्रशासन से शीघ्र समाधान की उम्मीद की जा रही है।

इन सभी सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए कोंढाली के नागरिकों को नगर पंचायत प्रशासक के माध्यम से नगर विकास विभाग से मांग करने की मांग यहा के जनप्रतिनिधि स्वप्निल व्यास, संजय राऊत, केशव धुर्वे, बाल किसन पालीवाल,कमलेश गुप्ता,याकूब पठाण, विवेक चिचखेडे, उत्तम गिरडकर, दुर्गा प्रसाद पांडे, ब्रजेश तिवारी, बब्लू बिसेन,अफसर हुसेन, पवन तिवारी, सुरेंद्र भाजीखाये,महेंद्र धर्मे, आकाश गजबे, नितीन ठवले,अंसार बेग, प्रशांत खंते,प्रज्वल धोटे,कुणाल भांगे, प्रवीण गोडबोले,गौरव ठवले,अन्नू पठान, भूषण चांडक,राजा पठान,रोहित गोलाईत, जमिर शेख,आयुष्मान पांडे,मोहित सेंगर,आदित्य गुप्ता,प्रमोद आष्टणकर,विकास कामडी, बाबा राव मालोडे आदि ने मांग की है.

सावंगी मेघे अस्पताल में नवाचार की शुरुआत

> दवा प्रतिरोधी क्षय रोग के लिए बी-पाल्म उपचार योजना

वर्धा.

दवा प्रतिरोधी क्षयरोग के उपचार में एक कदम आगे बढ़ाते हुए सावंगी मेघे स्थित आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल में बी-पाल्म नामक अल्पकालिक उपचार योजना की शुरुआत की गई है।

यह योजना राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के तहत क्रियान्वित की गई है और इसके तहत मात्र छह महीने में प्रभावी उपचार उपलब्ध कराया जा सकेगा।

परंपरागत रूप से एमडीआर टीबी का उपचार 18 से 24 महीने तक चलता है। इस अवधि में अक्सर कई तरह के दुष्प्रभाव होते हैं और मरीजों को आवश्यक अनुपालन में दिक्कतें आती हैं। हालांकि, अब बेडाक्विलाइन, प्रीटोमैनिड, लाइनझोलिड और मोक्सीफ्लोक्सासिन दवाओं को

क्षय रोग रोगियों के लिए क्रांतिकारी कदम - डॉ. घेवड़े

यह योजना एमडीआर क्षयरोग रोगियों के लिए एक क्रांतिकारी कदम होगी और इससे रोगियों को बहुत राहत मिलेगी क्योंकि उन्हें कम समय में प्रभावी उपचार का लाभ मिलेगा, ऐसा श्वसन रोग विभाग के प्रमुख डॉ. बाबाजी घेवड़े ने कहा।

शामिल करने वाली बी-पाल्म योजना मरीजों के उपचार के लिए अधिक सुरक्षित, आसान और प्रभावी है। सावंगी मेघे अस्पताल में शनिवार को इस योजना के तहत पहले मरीज को उपचार का लाभ दिया गया। ये दवाइयां जिला क्षय रोग कार्यालय के माध्यम से उपलब्ध कराई गई हैं और यह टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में उठाया गया एक महत्वपूर्ण कदम है।

समय पर दवाइयां उपलब्ध कराना प्राथमिकता - डॉ. पाटिल

आचार्य विनोबा भावे ग्रामीण अस्पताल के सहयोग से यह योजना एक महत्वपूर्ण मुकाम पर पहुंच गई है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. हेमंत पाटिल ने आश्वासन दिया कि इस योजना के तहत निर्धारित समय के अनुसार दवाइयां उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता होगी।जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. अभय गायधने, सावंगी अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चंद्रशेखर महाकालकर, विशेष कर्तव्य अधिकारी संजय इंगले तिगांवकर ने इस पहल के लिए श्वसन रोग विभाग को बधाई दी। अत्याधुनिक अनुसंधान, उन्नत उपचार और सार्वजनिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में लगातार योगदान देने वाले सावंगी मेघे अस्पताल ने इस अवसर पर एक बार फिर ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है।

बरसात से ग्रीष्मकालीन फसल तबाह

> पूर्व विधायक प्रा. राजू तिमांडे ने सरकार से की मुआवज़े की मांग

हिंगनघाट.

हिंगनघाट तहसील में पिछले 15 दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण किसानों की ग्रीष्मकालीन, भुईमूंग, मक्का, तिल, सब्जियां, प्याज और ज्वार जैसी फसलें भारी मात्रा में बर्बाद हो गई हैं। इससे न केवल खेतों में फसलें सड़ गई हैं, बल्कि दुर्गंध फैलने और पशुओं के चारे का भी गंभीर संकट खड़ा हो गया है।

इस स्थिति को देखते हुए पूर्व विधायक प्रो. राजू तिमांडे ने किसानों

के नुकसान की भरपाई के लिए तत्काल सर्वेक्षण कराने और मुआवज़ा देने की मांग सरकार से की है।

उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजित पवार और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को उपविभागीय अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। प्रो. तिमांडे ने बताया कि कई फसलों में अंकुर निकल आए हैं और ज्वार जैसी खड़ी फसलें भी सड़न की चपेट में आ गई हैं।

खेतों में पड़ा गीला कडबा भी सड़ चुका है, जिससे पशुओं के चारे की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। उन्होंने सरकार से अपील की है कि किसानों की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तत्काल राहत कार्य शुरू किए जाएं और उचित आर्थिक सहायता दी जाए।

क्षेत्र के किसानों ने भी मांग की है कि सरकार बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में प्राथमिकता से दौरा कर सर्वेक्षण कराए और उन्हें जल्द से जल्द मुआवज़ा प्रदान किया जाए।

एक ही दिन छह लोगों ने की खुदकुशी

अमरावती.

जिले में आत्महत्याओं का सिलसिला लगातार जारी है। पिछले 24 घंटे में अमरावती जिले में अलग-अलग घटनाओं में कुल छह लोगों ने आत्महत्या की है। इनमें से पांच ने ग्रामीण इलाकों में और एक ने शहर में आत्महत्या की है।

इस जीवन में कभी - कभी कुछ परेशानियां कुछ लोगों को इतनी परेशान करती है की वो जिंदगी से ही हार जाते और मौत को गले लगा लेते हैं। ग्रामीण भाग में कभी फसल बर्बाद होने तो कर्ज नहीं चूका पाने की चिंता से किसान जिंदगी का साथ छोड़ देते है। जबकि युवा करियर में सफलता नहीं मिलने और कभी प्रेम संबंध में अकेले होने से निराश हो जाते है।

बढ़ती आत्महत्या वर्तमान समय में समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन गई है। कोई ऐसा कदम नहीं उठाये इसके लिए मार्गदर्शन भी किया जा रहा, लेकिन कई लोगों ये सन्देश पहुँचने से पहले ही वो घातक कदम उठा लेते है।

अमरावती में तो एक ही दिन में ६ लोगों ने आत्महत्या की है। खास तौर पर सभी छह लोगों ने फांसी लगाकर आत्महत्या की है। आत्महत्या करने वाले छह लोगों में एक अमरावती शहर के है।

शहर के महादेव खोरी में रहने वाले श्रीकांत नाकतोड़े ने फांसी लगाकर जान दे दी। जबकि शिरखेड के खोपला गांव के शुभम चौधरी, बेनोडा में सुनील बानाईत, रासेगांव में देवराव मते, शिराजगांव कोरडे में नागेश सहारे, कुर्हा में सचिन पोकले ने भी अलग - अलग कारणों से आत्महत्या कर लिए। सभी घटनाएं पुलिस थाने में दर्ज हैं। इन मामलों में पुलिस जांच कर रही।

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति अध्ययन वर्ग का समापन कार्यक्रम संपन्न

वर्धा.

विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति चार दिवसीय अध्ययन वर्ग का समापन कार्यक्रम 29 मई से वर्धा के मुंडले सांस्कृतिक हॉल में संत के सान्निध्य में हुआ। इस चार दिवसीय अध्ययन वर्ग के लिए विदर्भ के विभिन्न जिलों से मातृशक्ति आई थी।

इसमें इतिहासकार विनायकराव देशपांडे, विहिप के क्षेत्रीय मंत्री गोविंद शेंडे, विदर्भ प्रांत मंत्री प्रशांत तितरे, विदर्भ प्रांत मातृशक्ति संयोजिका कांचन ठाकरे, विदर्भ प्रांत संगठन मंत्री विष्णु देशमुख ने मातृशक्ति अध्ययन वर्ग में भाषण दिए.

इस अध्ययन वर्ग में कुल 140 मातृशक्ति ने भाग लिया। 1 जून को आयोजित समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. प्रतिभा बोथरे, क्षेत्रीय मातृशक्ति संयोजिका (मुंबई), साथ ही पु. साध्वी माता भूमा भारती, साध्वी सीमा दीदी (दत्तात्रेय आश्रम) का आशीर्वचन हुआ. कार्यक्रम का परिचय और प्रतिवेदन कांचन ठाकरे (विदर्भ प्रांत मातृशक्ति संयोजिका), संचालन डॉ. सीमा पांढरकर, (प्रांत मातृशक्ति सह संयोजिका) ने किया। समापन कार्यक्रम में विभाग संयोजिका अनुराधा महाकालकर, वर्धा शहर की कुछ प्रबुद्ध महिलाओं को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था, जिनमें वंदना भुते, एड.दीपाली पोलाड, एड. योजना ढोक,बेलदार, प्रा. साधना बल्लाल, प्रा. प्रीति खाड़े, शारदा केने सहित विभिन्न क्षेत्रों की महिलाएं, वर्ग की अध्यक्ष उपस्थित थीं। विश्व हिंदू परिषद यवतमाल विभाग के पदाधिकारी भी उपस्थित थे. विदर्भ प्रांत सेवा प्रमुख राम लोखंडे, संभाग मंत्री प्रदीप खराटे,चावला ने इस अध्ययन वर्ग का अवलोकन किया.

वर्धा जिले के विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, मातृशक्ति और दुर्गावाहिनी के सभी पदाधिकारियों ने अपनी मेहनत से इस अध्ययन वर्ग को सफल बनाया.

आजनसरा में बिजली की अनियमित आपूर्ति बनी परेशानी

आजनसरा.

श्रीक्षेत्र आजनसरा और आसपास के क्षेत्रों में बीते कुछ दिनों से बिजली की लगातार आवाजाही से नागरिक परेशान हैं। बेमौसम बारिश के बाद बढ़ी उमस और तापमान के बीच कूलर और एसी जैसी सुविधाओं का ठप होना आम लोगों के लिए कष्टदायक बन गया है। ग्रामीणों ने बताया कि रात में भी बिजली बार-बार बंद हो जाती है, जिससे नींद और दिनचर्या दोनों प्रभावित हो रही हैं।

कार्यकारी अभियंता के हालिया तबादले के बाद से शिकायतें और असंतोष बढ़ा है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि विभाग की लापरवाही के कारण बिजली की आपूर्ति में निरंतर बाधाएं आ रही हैं। श्री फेस लाइन से जुड़ने पर समस्या का स्थायी समाधान" सहायक अभियंता अश्विन चित्तावर इस विषय पर जब वडनेर के सहायक अभियंता अश्विन चित्तावर से बात की गई, तो उन्होंने बताया कि आजनसरा में स्टेशन को श्री फेस बिजली लाइन से जोड़ने का काम अंतिम चरण में है, और इस समय उसकी टेस्टिंग चल रही है। अभी क्षेत्र में सिंगल फेज लाइन

पर बिजली आपूर्ति हो रही है, जिससे ब्रेकडाउन की घटनाएं सामने आ रही हैं।

उन्होंने कहा, "आने वाले सप्ताह में आजनसरा, सोनेगांव फुकटा सहित आसपास के गांवों को श्री फेस लाइन से जोड़ दिया जाएगा। इसके बाद पूरे क्षेत्र में 24 घंटे उचित वोल्टेज के साथ स्थायी बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।" महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने मानसून से पहले बिजली उपभोक्ताओं को निर्बाध और सुरक्षित बिजली उपलब्ध कराने के लिए कमर कस ली है। वडनेर विभाग के अंतर्गत आने वाले गांवों में पेड़ों की टहनियों की छंटाई, तारों की मरम्मत और ट्रांसफॉर्मर की जांच जैसे कार्य तेज़ी से किए जा रहे हैं। चूंकि अधिकांश उपकरण खुले वातावरण में लगे हैं, मौसम में थोड़ा सा भी बदलाव बिजली आपूर्ति पर सीधा असर डालता है। इसलिए विभाग इस बार विशेष सतर्कता बरत रहा है ताकि उपभोक्ताओं को गर्मी और बारिश दोनों के मौसम में बिजली संकट न झेलना पड़े।

दिव्यांग रुग्ण मित्र गजू कुबड़े ने समर्पित की एम्बुलेंस

> इंडिगो बेचकर पेश की समाजसेवा की मिसाल

हिंगनघाट.

समाजसेवा के क्षेत्र में एक प्रेरणादायक पहल करते हुए हिंगनघाट के दिव्यांग रुग्ण मित्र गजू कुबड़े ने अपनी निजी इंडिगो कार को बेचकर उसे एम्बुलेंस में तब्दील किया और समाज को समर्पित कर एक अनोखा आदर्श प्रस्तुत किया। गजू कुबड़े को यह महसूस हुआ कि शहर में कई बार ज़रूरतमंद मरीजों को समय पर एम्बुलेंस नहीं मिल पाती, जिससे कई बार जान का जोखिम बन जाता है। इसी आवश्यकता को समझते हुए उन्होंने अपने मित्रों और परिवार की ओर से प्राप्त इंडिगो गाड़ी को एम्बुलेंस के रूप में परिवर्तित कर 1 जून को समाज को समर्पित किया।

इस अवसर पर राजू पंपनवार, पिंटू कावले समेत अन्य दिव्यांग व्यक्तियों की उपस्थिति में यह एम्बुलेंस जनता को अर्पित की गई। यह एम्बुलेंस न केवल सड़क दुर्घटनाओं में घायल लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाने में मदद करेगी, बल्कि शहर की सड़कों पर भटकते मानसिक रूप से विकलांग और बेघर लोगों को सुरक्षित रूप से आश्रम या राहत केंद्रों तक पहुंचाने के लिए भी निःशुल्क सेवा देगी। गजू कुबड़े की इस सामाजिक प्रतिबद्धता और सेवाभाव की हर तरफ सराहना हो रही है। उनके इस प्रयास ने यह सिद्ध कर दिया कि यदि नीयत साफ और दृष्टिकोण लक्ष्योन्मुखी हो, तो सीमाएं आड़े नहीं आतीं।

करीब सात लाख हेक्टेयर में होगी बुवाई

अमरावती.

जिले में मानसून के आते ही किसानों ने खरीफ फसलों की बुवाई भी शुरू कर दी है। उधर, कृषि विभाग ने खरीफ सीजन की तैयारियां शुरू कर दी हैं। कृषि विभाग ने 89,0895 क्विंटल बीज खरीदने की योजना बनाई है। अमरावती जिले के लिए 1.43 लाख 669 मीट्रिक टन रासायनिक उर्वरक की योजना बनाई गई है। इस वर्ष कृषि विभाग ने जिले में 6 लाख 91 हजार हेक्टेयर में बुवाई की योजना बनाई है।

जिले में किसानों को फसलों की कटाई और मड़ाई करते, खेतों की जुताई करते, निराई करते, खेतों में जैविक खाद डालते, निराई करते और घास पर छिड़काव करते देखा जा रहा है। पिछले वर्ष, जिले की 669,846 हेक्टेयर या 98.25 प्रतिशत फसल बोई गई थी। कृषि विभाग ने इस वर्ष खरीफ का रकबा 6 लाख 91 हजार हेक्टेयर प्रस्तावित किया है। खरीफ सीजन के लिए कृषि विभाग कृषि सेवा केंद्र संचालकों के साथ बैठकें कर रहा है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि बीज, रासायनिक उर्वरक और अन्य कृषि इनपुट प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हों।

रुक्मिणी निवास से पंढरपुर की ओर बढ़ी पालकी यात्रा

> भक्ति में डूबे वारीकरी

अमरावती.

विदर्भ की पंढरी कही जाने वाली माता रुक्मिणी की पालकी माता रुक्मिणी के निवास स्थान कौंडण्यपुर से पंढरपुर के लिए रवाना हुई. आषाधिवारी के अवसर पर श्री विठ्ठल रुक्मिणी संस्थान की ओर से हर वर्ष पैदल पालकी दिंडी का आयोजन किया जाता है। तदनुसार, यह दिंडी पालकी पंढरपुर के लिए रवाना हुई। यह दिंडी 3 जुलाई को श्रीक्षेत्र पंढरपुर पहुंचेगी और इसकी यात्रा 33 दिनों की होगी। पालकी के प्रस्थान करते ही श्रीक्षेत्र कौंडण्यपुर में एक भव्य दिव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। फिर पालकी रवाना हुई।

इस अवसर पर पंचक्रोशी सहित प्रदेश के अन्य भागों से श्रद्धालु उपस्थित थे। संत सद्गुरु सदाराम

महाराज का निधन 450 वर्ष पूर्व कौण्डन्यपुर में हुआ था। उन्होंने 1594 में कौंडन्यापुर से पंढरपुर तक अपनी यात्रा शुरू की ।

वह परंपरा आज भी जारी है और इस वर्ष पैदल मार्च का 431वां वर्ष है। यह माता रुक्मिणी के मंदिर से रवाना होने वाली महाराष्ट्र की पहली पालकी है। वृद्धावस्था के कारण संत सद्गुरु सदाराम महाराज शोभायात्रा निकालने में असमर्थ थे। किंवदंती है कि उस समय जब पांडुरंग को बुलाया गया तो पांडुरंग ने स्वयं संत सदाराम महाराज के दर्शन किये और वादा किया कि वह हर साल आषाढ़ी, कार्तिक पूर्णिमा और प्रतिपदा को कौंडण्यपुर आएंगे। वह परंपरा जारी है. जैसे-जैसे आषाढ़ी एकादशी नजदीक आती है, वारकरी का जुलूस शुरू हो जाता है। वारकरी पंढरपुर पहुंचने के लिए विभिन्न दिंडियों (पालनखिट) में भाग लेते हैं। सभी संतों की पालकिया पंढरपुर की ओर कूच करती हैं।

संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम, संत एकनाथ और मुक्ताई की पालकिया, जबकि संत गजानन महाराज और अन्य की पालकिया विदर्भ से प्रस्थान करती हैं। कौंडण्यपुरा की पूजनीय रुक्मिणी माता की पालकी अद्वितीय है।

अतिक्रमण कार्रवाई पर बहनों का विरोध

> पत्रकार परिषद में लगाई न्याय की गुहार

हिंगनघाट.

हिंगनघाट के संत तुकडोजी वार्ड, नंदोरी रोड स्थित प्रज्ञा नगर झोपड़पट्टी की निवासी कुमारी रमा बंसी कांबले और कुमारी ललिता बंसी कांबले ने प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाते हुए पत्रकार परिषद में न्याय की मांग की। दोनों बहनों का कहना है कि वे पिछले 40 वर्षों से उसी मकान में लगातार और शांतिपूर्वक रह रही थीं, जिसकी उन्हें सरकारी पट्टे की वैध मांग करने के बावजूद प्रशासन ने उनकी बात को नजरअंदाज किया और बिना किसी पूर्व कानूनी प्रक्रिया या नोटिस के जबरन अतिक्रमण हटाने की

कार्रवाई की।

पत्रकार परिषद में एडवोकेट पानसे ने बताया कि प्रशासन द्वारा कानून और मानवाधिकारों की अनदेखी की गई है।

आरोप है कि कार्रवाई के दौरान पीड़ितों को धमकाया गया, उनके घरेलू सामान जब्त किए गए और बिजली आपूर्ति तक काट दी गई, जिससे उनका जीवन यापन मुश्किल हो गया है।

पीड़ित महिलाओं के समर्थन में महेंद्र वैद्य, विनय शंभरकर, विजय तमगाडगे, डॉ. दूधे, सुधाकर नाइक, अतुल नंदा गवली, सुनील दिवे, अरुण डांगे सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित थे। उन्होंने इस कार्रवाई को "दंडूकशाही और दमनकारी नीति" बताया और मामले की निष्पक्ष जांच कर पीड़ितों को न्याय देने की मांग की।

रमा कांबले और ललिता कांबले ने प्रशासन से आग्रह किया है कि उन्हें उनके 40 वर्षों पुराने घर का सरकारी पट्टा दिया जाए और जबरन की गई कार्रवाई के लिए जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

50 साल की शराबबंदी सिर्फ कागज़ों पर

> अवैध बिक्री से बढ़ रहे अपराध, उठी प्रतिबंध हटाने की मांग

कारंजा घाडगे/वर्धा.

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की तपोभूमि और सेवाग्राम आश्रम की ऐतिहासिक विरासत से पहचाने जाने वाले वर्धा जिले को वर्ष 1975 से शराबबंदी लागू जिले के रूप में पहचाना गया था। इस निर्णय के पीछे बापू कुटी, सेवाग्राम आश्रम और विनोबा भावे के पवनार स्थित आश्रम जैसे नैतिक और आध्यात्मिक केंद्रों की प्रेरणा रही है। लेकिन सरकार की उदासीनता और व्यवस्थागत कमजोरियों के कारण आज यह शराबबंदी सिर्फ कागज़ों तक सीमित रह गई है।

हालात यह हैं कि जिले के चारों ओर खुलेआम शराब बिक रही है और वहां से चोरी-छुपे शराब शहर और गांवों में पहुंचाई जा रही है। हाथ भट्टी

की अवैध शराब कई गांवों में खुलेआम उपलब्ध है, जिससे शराब पीने वालों की संख्या में तेज़ी से वृद्धि हुई है। कई बार जहरीली शराब के सेवन से मौतें हो चुकी हैं, जिससे कई परिवार बर्बाद हो गए।

शराबबंदी का पालन कराने में पुलिस की भूमिका अत्यंत चुनौतीपूर्ण बन गई है। पुलिस विभाग दिन-रात शराब बनाने, बेचने और पीने वालों के पीछे पड़ा रहता है, जिससे अन्य जरूरी प्रशासनिक कार्यों पर असर पड़ता है।

कई पुलिसकर्मी मानते हैं कि शराबबंदी की वजह से विभागीय कामकाज प्रभावित हो रहा है और पेंडिंग मामलों की संख्या बढ़ रही है। अवैध शराब की बिक्री से जहां अपराध बढ़ रहा है, वहीं दूसरी ओर सरकार को करोड़ों रुपये के राजस्व का नुकसान भी हो रहा है। जानकारों का कहना है कि यदि वर्धा जिले में अधिकृत शराब दुकानों की अनुमति दी जाए, तो शासन को अच्छा खासा महसूल प्राप्त हो सकता है।

पूर्व में भी कई राजनेता और सामाजिक संगठन शराबबंदी हटाने की मांग कर चुके हैं। उनका कहना है कि जब तक शराबबंदी की नीति का कड़ाई से पालन नहीं किया जाता, तब तक यह सिर्फ अवैध धंधों को बढ़ावा देती रहेगी। साथ ही, उन्होंने शासन को यह भी बताया है कि अवैध शराब से न केवल सामाजिक हानि हो रही है, बल्कि कानून व्यवस्था भी चरमरा रही है।

हिंगनघाट की कानून व्यवस्था सवालों के घेरे में

> क्या अपराध का नया केंद्र बन रहा है शहर?

हिंगनघाट.

वर्धा ज़िले का छोटा लेकिन व्यस्त शहर हिंगनघाट इन दिनों गंभीर कानून व्यवस्था के संकट से गुजर रहा है। बढ़ती चोरी, सट्टेबाज़ी और नशे के कारोबार ने इस शांत शहर की छवि को धूमिल कर दिया है और अब यह सवाल उठने लगे हैं. क्या हिंगनघाट अपराध का नया केंद्र बनता जा रहा है?

31 मई को शहर में एक ही दिन में चार घरों में दिनदहाड़े चोरी की घटनाएं सामने आईं। चोरों ने

खुलेआम ताले तोड़े, घरों से कीमती सामान समेटा और भाग निकले वो भी तब जब मोहल्लों में आवाजाही सामान्य रूप से चल रही थी।

हैरानी की बात ये है कि इन घटनाओं के समय पुलिस की कोई सक्रिय उपस्थिति नज़र नहीं आई। शहरवासी भयभीत हैं, और पुलिस सिर्फ प्राथमिकी दर्ज करने तक सीमित नजर आ रही है।शहर में पिछले कुछ महीनों में सैकड़ों चोरी के मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन इनमें से बहुत कम मामलों में असली आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। स्थानीय लोग बताते हैं कि यह गिरावट ठाणेदार ठाकुर के कार्यकाल से शुरू हुई और अब तक अपराध का ग्राफ लगातार ऊपर ही जा रहा है।

शहर में दारू और ड्रग्स का धंधा भी तेजी से पनप रहा है। कई चौराहों पर गांजा खुलेआम बेचा जा रहा है, और कुछ इलाकों में 'एमडी' जैसे खतरनाक ड्रग्स भी उपलब्ध हैं।

यद्यपि पुलिस ने कुछ मामूली आरोपियों को पकड़ा है, पर बड़े नशा कारोबारी अभी भी आज़ाद घूम रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि बढ़ती बेरोज़गारी, जनसंख्या और पुलिस की निष्क्रियता ये तीन कारक मिलकर हिंगनघाट को अपराध की ओर धकेल रहे हैं। आम नागरिकों में भय का माहौल है और लोगों को अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता है।

सट्टेबाज़ी का नया अड्डा?

सिर्फ चोरिया ही नहीं, हिंगनघाट अब सट्टेबाज़ी के लिए भी बदनाम होता जा रहा है। खासकर आईपीएल के दौरान शहर के कई हिस्सों में बुकियों की गतिविधिया तेज़ हो गईं। 30 मई को, वर्धा की एलसीबी टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन बड़े सटोरियों गिरधारीलाल पाखरानी, नितीन चामड़िया और राकेश बारसगड़े को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। इनके पास से 2.52 लाख की सट्टा सामग्री जब्त की गई। अब सवाल यह उठता है. जब बाहरी टीमें सक्रिय हो सकती हैं, तो स्थानीय पुलिस ने अब तक क्यों आंखें मूंद रखी हैं?

राज्यस्तरीय एकांकी नाटक स्पर्धा में विद्यार्थी प्रतिनिधि प्रथम

उमरेड.

रंगमंच कलाकार अमोल (काका) खोब्रागड़े स्मृति के उपलक्ष्य में स्मितांकित परिवार उमरेड की ओर से स्थानीय पंडित दीनदयाल उपाध्याय नाट्य सभागृह में राज्य स्तरीय मराठी एकांकिका स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में थोरवी थिएटर नागपुर के विद्यार्थी प्रतिनिधि एकांकिका ने बाजी मारकर निर्मिति का प्रथम पुरस्कार स्वरूप 30 हजार रुपये, स्मृतिचिन्ह, प्रमाणपत्र प्राप्त किया। निर्मिति का द्वितीय पुरस्कार कलासक्त मुंबई के पेंडुलम एकांकिका को 20 हजार रुपये एव तृतीय पुरस्कार स्वरूप 10 हजार रुपये, चंद्ररथ थिएटर नागपुर के पावसाच्या सरी इस एकांकिका ने जीता। यह पुरस्कार स्वर्गीय हरिश्चंद्र गणवीर की स्मृति में सनत संजय गणवीर ने प्रदान किया।

अन्य परिणाम इस प्रकार हैं : निदेशक प्रथम तन्मय गंधे (वी.पी.), द्वितीय योगेश कदम, (पेंडुलम), तृतीय यशवंत चोपड़े (रेन शॉवर्स), पुरुष अभिनेता प्रथम सौरभ शेंडे (उत्तरायण), द्वितीय यशवंत चोपड़े (रेन शॉवर्स), तृतीय कक्षा 9वीं बी के सभी छात्र (वी.पी.आर.), महिला अभिनेता प्रथम सुहानी नाइक (साथ), द्वितीय भावना चौधरी (रेन शॉवर्स), तृतीय डॉ. यशश्री कंटक (पेंडुलम), बाल कलाकार प्रथम अंश केदार (चार्ली), द्वितीय मनवा धर्माधिकारी (संगीत वात्सल्य), मंच के पीछे प्रथम शिवम मस्के, स्तवन गवारे (वी. पी.आर.), द्वितीय पुण्यशील लांबट, हर्ष नागभिडे, ललित पिंपलकर (चार्ली)। तृतीय देवयानी चोपड़े, धर्मेन्द्र चोपड़े (बारिश की बौछारें), संगीत प्रथम वैभव काले एवं समूह (म्यूजिकल लव), दूसरा अनुष्का शेंडे (चार्ली), तीसरा स्टावन गचारे (वी.पी.आर.)। प्रकाश डिजाइन प्रणव कोरे (वी.पी.आर.) द्वारा. दूसरा वृषभ धपोलकर (वर्षा की बौछारें)। तीसरा स्थान हर्षद सासने (दर्द पोरा) को मिला, पहला स्थान तन्मय गंधे (वी. पी.आर.) को मिला और दूसरा स्थान मनीष चौधरी (चार्ली) को मिला।

इस प्रतियोगिता में मुंबई, रत्नागिरी, नासिक, अमरावती, भंडारा और उमरेड की कुल 11 थिएटर कंपनियों ने अपने नाटक प्रस्तुत किए। भोजन और आवास की व्यवस्था मुस्कुराते परिवार ने की। परीक्षक का कार्य डॉ. नीलकंठ कुलसंगे, नागपुर, विष्णु निम्बालकर, अकोला एवं रूपराव कामडी और उमरेड ने इसकी देखभाल की। इस अवसर पर रंगमंच एवं फिल्म कलाकार देवेन्द्र दोडके उपस्थित थे। साथ ही मदन बुलकुंडे, अजय सनेसर, मंगेश काले, आदित्य बुलकुंडे को भी सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए संस्था के आयोजक कौस्तुभ पवार, हस्तदीप भोगे, राजेश गजभिए, रतन मेश्राम, अक्षय कोसे और संदीप लिंगाई ने कड़ी मेहनत की। अजय सनेसर, मंगेश काले, आदित्य बुलकुंडे, बब्लू खोबरागड़े, रीमा वानखेड़े, मनोज बोंद्रे, हितेश नागराले, माधवी गजभिये, बिवलानी बुलकुंडे, शिल्पा भोंगे, भारती लिंगाई। मीनल मारस्कोल्हे और किरण नागोसे ने कड़ी मेहनत की।

छिंदवाड़ा रेल सुविधाओं में पिछड़ा

पांढुर्णा की जनता ने जताई नाराज़गी

सौंसर.

छिंदवाड़ा जिले को रेल सुविधा विस्तार, लाइन दोहरीकरण और पीट लाइन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं में लगातार अनदेखा किया जा रहा है। जहां सिवनी और बालाघाट को नई ट्रेनों और दोहरीकरण की सौगात मिली, वहीं पांढुर्णा केवल दो एक्सप्रेस ट्रेनों तक सिमट गया है। कमलनाथ सरकार के समय स्वीकृत योजनाओं का बजट भाजपा सरकार ने घटा दिया, जिससे अधूरी परियोजनाएं अटक गईं। भंडारा कुंड पुलिया में दरार और रेल मार्ग बाधित होने जैसे मामलों ने भी जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता को उजागर किया है।

जिले की जनता विकास को लेकर निराश है और अब प्रभावी पहल की उम्मीद कर रही है।

जिसको चालू करने में 6 माह से भी ज्यादा का समय रेल विभाग ने लगा दिया इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जनप्रतिनिधि यो की रेल विभाग में कितनी पैठ है हाल ही में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मध्य प्रदेश को तीन एक्सप्रेस गाड़ियों की सौगात दी है जिसमे नागदा तथा जबलपुर से रायपुर एवं पुणे से रीवा है जो की जबलपुर से रायपुर एवं पुणे से रीवा वाया गोंदीया बालाघाट होकर चलाए जाने की योजना है जो जिले की उपेक्षा है यदि बालाघाट को जबलपुर रायपुर एक्सप्रेस सुविधाजनक होगी वही पुणे से रीवा वाया छिंदवाड़ा चलाई जाती है तो समय की बचत के साथ-साथ जिले को एक नहीं ट्रेन की सौगात मिल सकती है छिंदवाड़ा जिले के सांसद से पुणे रीवा ट्रेन वाया छिंदवाड़ा चलाए जाने के लिए भरसक प्रयास किए जाने का अनुरोध पांढुर्णा छिंदवाड़ा जिले की जनता कर रही है ताकि संतरांचल के यात्रियों को भी यात्री सुविधा का लाभ हो सके आम चर्चा यह भी है कि यदि कमलनाथ या नकुलनाथ सांसद होते तो रेल सुविधाओं के विस्तार के साथ-साथ विकास से संबंधित कोई बात को लेकर संसदीय क्षेत्र की उपेक्षा नहीं होने देते किंतु राज्य और केंद्र में भाजपा सरकार होने के बावजूद भी संतरा अंचल के साथ-साथ छिंदवाड़ा को रेल सुविधाओं के विस्तार एवं अन्य सुविधाओं को लेकर छिंदवाड़ा की उपेक्षा की जा रही है इससे आम जनों में निराशा छाई हुई है.

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ का दसवां अधिवेशन गोवा में

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने की विधायक विजय चौरे से चर्चा

सौंसर.

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ मध्यप्रदेश अध्यक्ष रत्नमाला पिसे ने विधायक विजय चौरे से गोवा में राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ का दसवां महाअधिवेशन 07 अगस्त 2025 के आयोजन पर विस्तृत चर्चाए की और मध्यप्रदेश ओबीसी वर्ग हित केलिए 11 वां अधिवेशन मध्यप्रदेश मे हो ताकी मध्यप्रदेश शासन को ओबीसी वर्ग हित व सामाजिक,न्यायिक, आर्थिक शोषण के मुद्दों पर संज्ञान लेकर ओबीसी वर्ग को सामाजिक न्याय व ओबीसी का हक अधिकार कैसे प्राप्त हो सके । जिसकी रुप रेखा बनाई जाए। क्योंकि ओबीसी वर्ग का संविधानिक अधिकार का लाभ वर्तमान मे मध्यप्रदेश मे ओबीसी की मांगो को नजरअंदाज किया जा रहा है।

सत्ता किसी की भी हो ओबीसी वर्ग को कठपुतली समझ कर सिर्फ आश्वासन देकर सत्ता मे बने रहना अब नही चलेगा । मध्यप्रदेश मे ओबीसी वर्ग हित उद्देश्य को ध्यान रखकर सामाजिक समाधान निराकरण का प्रमाण शासन को देना ही होगा । विधायक विजयभाऊ चौरे ने आश्वस्त किया की राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के ओबीसी हित जनआंदोलन मे मै क्रांतीसुर्य महात्मा ज्योतिबा फुले व क्रांतीजोत सावित्रीबाई फुले के सामाजिक प्रेरणादायक विचारधाराओ से प्रेरित होकर मेरी धर्म पत्नी श्रीमती प्रतिभा विजय चौरे के जन्म दिवस के अवसर पर यह वादा कर सपत्नीक सहयोगात्मक प्रोत्साहन के साथ सहभागी रहूंगा ।

राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ मध्यप्रदेश अध्यक्ष रत्नमाला पिसे ने सभी मध्यप्रदेश ओबीसी वर्ग के राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, बंधुओ से समाचार पत्रो के माध्यम से अनुरोध किया की एकतापूर्ण जागरूकता का परिचय देकर ओबीसी जनआंदोलन का सहयोग करे ताकी नयी पीढियों का भविष्य अंधकारमय ना हो । जनप्रतिनिधी ओबीसी लोकप्रिय नेता ,राजनेता पक्ष , विपक्ष अपना अमूल्य योगदान देकर यथार्थ प्रेरणादायक कोशिशो का समर्थन कर ओबीसी समाज को गौरवान्वित करे ।

25 साल बाद शिक्षक-छात्र एक साथ मिले

यादें हुईं ताजा और रिश्ते फिर से जुड़े

नागपुर. खापरी जिला परिषद स्कूल, खापरी रेलवे के 1993 से 2000 बैच के पूर्व छात्रों का पुनर्मिलन हाल ही में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। 25 साल बाद शिक्षक और छात्र एक साथ आए और एक बार फिर स्कूल की यादों को ताजा किया। इस कार्यक्रम की खास बात यह रही कि शिक्षक अपने व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालकर इस समारोह में शामिल हुए। छात्र अपने शिक्षकों से फिर मिले और उन यादों को ताजा किया, जिसने उनके जीवन को आकार दिया। पुनर्मिलन के दौरान कई लोगों की आंखों में खुशी के आंसू छलक आए, वहीं कई बार हंसी-ठिठोली भी हुई। सभी ने समय में पीछे जाकर स्कूल की कहानियां, पढ़ाई के दिन, शिक्षक के तौर पर अनुशासन की सीख और दोस्ती की यादें साझा कीं। उन्होंने एक साथ मिड-टर्म ब्रेक, क्लासरूम में मौज-मस्ती और स्कूल के त्योहारों का आनंद लिया। यह सभा सिर्फ एक मुलाकात नहीं थी, बल्कि एक ऐसा समारोह था, जिसने समय के साथ खोए रिश्तों को फिर से ताजा कर दिया। एक शिक्षक ने कहा, "आज हम फिर से विद्यार्थी बन गए हैं", उनकी आँखों में यादों की नमी साफ दिखाई दे रही थी। इस कार्यक्रम ने सभी के मन में एक ही भावना पैदा की - यादें जीवंत हो गईं और हम एक बार फिर जीवित हो गए! इस अवसर पर प्राचार्य भूतमांगे सर के साथ चौवारे, पूर्व प्राचार्य निंबालकर, जिचकार मॅडम, नासरे मॅडम, करारे, पंचभाई, दादाराव और 35 विद्यार्थी मुख्य रूप से उपस्थित थे।

बेरडी में सूर्यवंशी लोणारे समाज ने मेधावी छात्राओं का किया सम्मान

सौंसर.

सौंसर तहसील के बेरडी ग्राम स्थित सती अनसूया माता मंदिर परिसर में अखिल भारतीय सूर्यवंशी लोणारे कुनबी समाज की ओर से समाज की प्रतिभावान छात्राओं का भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम में कक्षा 10वीं और 12वीं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त कर समाज का गौरव बढ़ाने वाली छात्राओं को प्रमाण पत्र, मोमेंटो तथा श्री संत ज्ञानेश्वरी पारायण देकर सम्मानित किया गया। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, परिजनों और स्थानीय नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति रही। वक्ताओं ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को आत्मनिर्भर बनने और समाज, माता-पिता तथा गुरुजनों का नाम रोशन करने की प्रेरणा दी। वक्ताओं ने कहा, "शिक्षा वह शेरनी का दूध है, जो पीएगा वह दहाड़ेगा।"

कार्यक्रम में पंचीकरण गुरवे, मीराबाई भक्ते और छात्रा अदिति अढ़ाऊ ने अपने विचार रखे।

सम्मानित छात्राएं:

कक्षा 12वीं: अदिति अशोक अढ़ाऊ 91% (सीएम राइज सौसर), दुर्गा शंकरराव शेंडे 83% (शा.उ.मा. विद्यालय, बेरडी),

कक्षा 10वीं : वैष्णवी शंकर शेंडे 88.2% (शा.उ.मा. विद्यालय, बेरडी), निधि दिलीप गुरवे – 87.2% (शा.उ.मा. विद्यालय, बेरडी), अंबिका विकास जानभोर 86.4% (सीबीएसई , संकल्प हायर सेकंडरी स्कूल, सौसर), मीनल नामदेव खंडाईत 77.8% (शा.उ.मा. विद्यालय, बेरडी), ममता गजानन जानभोर76.2% (शा.उ.मा. विद्यालय, बेरडी). प्रमुख उपस्थिति पूर्व सरपंच वामनराव अढ़ाऊ, तुलसीराम गुर्वे, रामेश्वरजी रुंघे, सुनील भांगे, डॉ. अभय यशवंत भक्ते (मौदा, नागपुर), राजेन्द्र भक्ते, राजू खंडाईत, पिलाजी जानभोर, ज्ञानेश्वर गुर्वे, अधिवक्ता राहुल खंडाईत सहित समाज के अनेक गणमान्य बंधु और महिलाएं उपस्थित थीं। कार्यक्रम ने समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और उत्साह का संचार किया तथा छात्राओं को और बेहतर भविष्य के लिए प्रेरित किया।

विद्यार्थी करेंगे कैंटोनमेंट अस्पताल में ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन

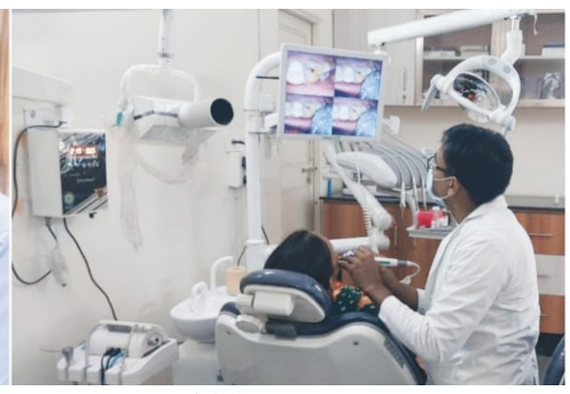

कामठी.

कैंटोनमेंट जनरल अस्पताल में नव स्थापित ऑपरेशन थियेटर का उद्घाटन मेजर जनरल एस.के. विद्यार्थी, जीओसी, उत्तर महाराष्ट्र और गुजरात सब एरिया द्वारा कामठी कैंटोनमेंट बोर्ड के अध्यक्ष ब्रिगेडियर अभिजीत एस. वालिम्बे की गरिमामयी उपस्थिति में आज सुबह 11 बजे किया जाएगा। कैंटोनमेंट बोर्ड के अधिशासी अधिकारी महेश वड्डे ने मनोनीत सदस्य कमल उर्फ लालू यादव की प्रमुख उपस्थिति में बताया कि शुरुआत में, ऑपरेशन थियेटर का उपयोग ईएनटी, नेत्र और दंत शल्य चिकित्सा के लिए किया जाएगा, साथ ही समय के साथ अन्य शल्य चिकित्सा विषयों को शामिल करने के लिए चरणबद्ध विस्तार की योजना बनाई गई है। उन्होंने यह भी बताया कि कामठी कैंटोनमेंट बोर्ड ने हाल ही में नागरिक और सैन्य निवासियों दोनों को लाभ पहुंचाने के लिए कैंटोनमेंट जनरल अस्पताल में विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं को अपग्रेड किया है। उन्नत अस्पताल अब निम्नलिखित सुविधाओं से सुसज्जित है: सीटी स्कैन मशीन (मल्टी-स्लाइस, 16 स्लाइस या अधिक क्षमता), 100 से अधिक प्रकार के रक्त परीक्षण करने में सक्षम स्वचालित रक्त परीक्षण उपकरण, डिजिटल एक्स-रे मशीन, ये सेवाएँ आम जनता के लिए उपलब्ध हैं - कैंटोनमेंट के भीतर और बाहर के निवासी दोनों - सस्ती दरों पर अस्पताल निम्नलिखित चिकित्सा सेवाएं भी प्रदान करता है: सामान्य ओपीडी और आयुर्वेद ओपीडी, निःशुल्क फार्मेसी (सभी को निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध कराना), फिजियोथेरेपी और दंत चिकित्सा सेवाएं, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ, बाल रोग विशेषज्ञ, त्वचा विशेषज्ञ और सामान्य चिकित्सक की सेवाओं सहित विशेषज्ञ परामर्श, एम्बुलेंस सेवा का समावेश है। कार्यक्रम में मुख्य कार्यकारी अधिकारी महेश वड्डे, सैन्य अस्पताल के कमांडिंग अधिकारी कर्नल प्रशांत नायक और मनोनीत सदस्य कमलकिशोर उर्फ लालू यादव सहित अन्य अधिकारी व पदाधिकारी भी इस कार्यक्रम में उपस्थित रहेंगे।

शुभांक		
श्रीदेवी	457-6	670-3
श्रीदेवी नाईट	579-1	599-3